PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक
सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

सुविचार

आप हमेशा खुद से प्रशन करिये कि मैं ऐसा क्यों हूं? सफ़लता आपके कदम चूमेगी।

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311
WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 जून 2022 वर्ष : 5, अंक : 04 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

विकास लैबोरेट्री ने पिपली, अम्बाला–चंडीगढ़ रोड पर लगाई ठंडे–मीठे व जलजीरे की छबील

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली, विकास लैबोरेट्री पिपली के सौजन्य से सोमवार को दिल्ली–चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर ठंडे मीठे जल व ठंडे जल जीरे की छबील लगाई। तपती गर्मी में राहगीरों को राहत दिलाने के लिए लगाई गई छबील में शामिल हैप्पी, गौरव,डिम्पल हर्ष सुरेश कुमार, हनी, बलराम, हनी राणा, अशोक, जस्सी, विनोद, रोशन लाल व राजू ने सहयोग देते हुए लोगों में मीठा जल वितरित किया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने छबील में पानी पीकर चिलचिलाती गर्मी में प्यास बुझाई। इस अवसर पर मौजूद अन्य समाज सेवकों राजकुमार बजाज व गुलशन कुमार ने लोक कल्याण के लिए कामना करते हुए यह बताया कि विकास लैबोरेट्री ने अपने सेवा कार्यक्रमों के अंतर्गत छबील लगाकर सराहनीय कार्य किया है। जन सेवा सबसे बड़ी सेवा है। लैबोरेट्री के ऑनर सुभाष श्रृंगारी ने कहा कि लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के कारण आम लोगों की सुविधा के लिए यह छबील लगाई गई है। ताकि चिलचिलाती गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिल सके। इस दौरान उन्होंने लोगों से भी अपील की कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए ताकि बढ़ रहे प्रदूषण से बचा जा सके। क्योकि पौधे हमें आक्सीजन देते हैं जो हमारे जीवन के लिए जरूरी हैं।

जिला पुलिस द्वारा नाकाबंदी करके वाहनों को किया गया चैक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पुलिस महानिदेशक हरियाणा के आदेशानुसार सिलिंग प्लान के तहत नाकाबन्दी के आदेश पारित किये गये थे । पुलिस महानिदेशक, हरियाणा के आदेशानुसार जिला पुलिस कुरूक्षेत्र द्वारा सिलिंग प्लान के तहत 44 स्थानों पर विशेष नाकाबंदी करके वाहनों की गहनता से जांच की गई।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला ने बताया कि जिला कुरुक्षेत्र में गीता द्वार पिपली से लेकर थर्ड गेट, मोहन नगर चौंक, नया बस अडडा, लक्की स्वीट हाउस, अंबेडकर चौंक, मीरी–पीरी चौंक, उमरी चौंक, आयुर्वेदिक कॉलेज, देवी लाल चौंक, पेहवा चौंक पेहवा, झांसा, बाबैन, लाडवा, शाहबाद आदि मिला कर कुल 44 स्थानों पर नाके लगाये गये व 550 पुलिस कर्मियों को नाका डयूटी व नाकाबंदी के दौरान 103 वाहन सड़कों पर रहे। इन चैकिंग पार्टियों द्वारा टू–व्हीलर, फोर व्हीलर, हल्के वाहन व भारी वाहनों की जांच की गई है ।

बारिश के पानी को सहेजना अनिवार्य

अगले कुछ दिनों में देश में मानसून की बारिश का दौर आने वाला है। कुदरत की इस नेमत को हम हर साल जाया करते हैं। लाखों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। अगर हम इस जल को सहेज कर रखने का प्रबंध शुरू कर दें तो जल संकट की समस्या से निजात पा सकते हैं, लेकिन गर्मी के दिनों में संकट की बात मानसून की बारिश होने तक खत्म हो जाती है।

बहुत गहरे अर्थों वाली एक महत्वपूर्ण कहावत है कि दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए होगा। इस कहावत के मायने बहुत ही सरल तरीके से समझे जा सकते हैं। यह विदित तथ्य है कि पूरी धरती का 71 फीसदी भूभाग पानी से घिरा हुआ है। लेकिन इसके बावजूद हमारी धरती पर मौजूद 97 प्रतिशत पानी पीने योग्य है ही नहीं। केवल 3 प्रतिशत जलराशि ही ताजे पानी के बतौर उपलब्ध है। हम सभी जानते हैं कि दुनिया भर में पीने के साफ और सुरक्षित पानी का जबरदस्त अभाव है। हालात ऐसे हैं कि सबसे अधिक आबादी वाले एशिया और अफ्रीका महाद्वीपों के कई देशों में पेयजल का संकट बहुत गंभीर समस्या है। इन इलाकों में कई देश तो ऐसे हैं जहां पानी के अभाव के चलते किसी भी तरह की खेती संभव नहीं है। दरअसल दुनिया के इन क्षेत्रों में बारिश की जबरदस्त कमी और भूजल-भंडार के सीमित स्रोतों के चलते साफ और सुरक्षित पानी की किल्लत साल दर साल और बढ़ती जा रही है।

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई है जिसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में दुनिया के तकरीबन 200 करोड़ लोगों को साफ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता नहीं है। यह रिपोर्ट बताती है कि अगर हालात नहीं सुधरे तो साल 2030 तक धरती की आबादी के पास अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी पानी नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनियाभर में हर साल दो लाख 97 हजार बच्चे बिना साफ पानी की उपलब्धता के चलते अकाल मौत का शिकार बन जाते हैं। यूएन के सतत विकास उद्देश्यों में सभी नागरिकों के लिए साफ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता का एक लक्ष्य भी शामिल किया गया है। इस तरह हम देखें तो पेयजल हमारी समूची मानव जाति के लिए प्रकृति का एक वरदान है। पानी हमारी धरती पर जीवन को बनाये रखने में अहम भूमिका का निर्वाह करता है। इसीलिए जल को ही जीवन भी कहा जाता है।

पेयजल, हमें ताजे पानी के स्रोतों के साथ ही भूमिगत जलराशि के बतौर भी मिलता है। हमारे देश में भी आम नागरिकों को पेयजल की उपलब्धता करवाना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। हर साल गर्मियों में तमाम शहरों और कस्बों में जलसंकट एक गंभीर समस्या बन जाती है। कई राज्यों में तो स्थानीय चुनावों के वक्त पेयजल की उपलब्धता बहुत बड़ा चुनावी ऐजेंडा बन जाता है। खेती की बहुलता वाले हमारे देश में सिंचाई के लिए भी पानी की उपलब्धता एक बड़ा सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में खेती के लिए पानी नहीं होने से किसान पर्याप्त फसल नहीं ले पाते। जहां भूमिगत जल के स्रोतों से ट्यूबवेलए कुओं आदि के जरिये सिंचाई की जाती है या पीने के लिए पानी लिया जाता है वहां भी अब भूजल स्तर में खासी गिरावट आ रही है। कई इलाकों में भूमि में रसायनों की मिलावट से जल प्रदूषित भी हो चुका है। लिहाजा हर तरफ पानी के लिए संघर्ष बढ़ता जा रहा है।

हर इलाके के स्थानीय मीडिया की खबरों का विश्लेषण करने से साफ होता है कि देश में पानी की समस्या दिनोंदिन और विकराल होती जा रही है। पानी के इस संकट से उबरने का एक बेहतर तरीका भूमिगत जल को सहेज कर खोजा जा सकता है। हमारे देश के तमाम नगरों और कस्बों में जल संकट अमूमन गर्मियों के दिनों में दो-तीन महीनों में खूब दिखता है। फिर भी देश भर में नगर नियोजन से जुड़ी संस्थाएं जल संरक्षण को लेकर बहुत संवेदनशील नहीं दिखतीं। टाउन प्लानिंग से जुड़ी तमाम किस्म की सरकारी संस्थाओं को पानी के प्रति और अधिक गंभीर होकर सोचने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के उन देशों में से है जहां मानसून खूब मेहरबान होता है। अधिकांश भू-भाग में अच्छी बारिश होती है। लेकिन हमें सोचना होगा कि क्या कारण है कि हमारे छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक में मकानों या अन्य निर्माण कार्यों की अनुमति देते वक्त रेनवाटर हार्वेस्टिंग या फिर ओपन एरिया छोड़ने की बातें केवल कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। इसकी कोई निगरानी व्यवस्था दिखती ही नहीं। छोटे आकार के घरों की बात छोड़ भी दें तो बड़े और मध्यम साइज के प्लाट वाले घरों तथा सरकारी और गैर सरकारी इमारतों में भी इस तरह की कोई खास व्यवस्था नहीं दिखती।

ठीक जिस तरह कुछ सरकारी दफ्तरों की छतों पर सौलर पैनल लगाकर बिजली बचाने और बनाने की खानपूर्ति की कवायदें दिखती हैं उसी तरह पानी बचाने के लिए भी बहुत ढीला और कामचलाऊ रवैया दिखता है जबकि तमाम सरकारी संस्थाओं के पास ठीक.ठाक ओपन एरिया होता है जिसमें बरसाती दिनों में खूब पानी सहेजा जा सकता है। बारिश के दौरान आसमान से गिरने वाली हर बूंद को अगर सहेजा जा सके तो बहुत सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। लेकिन बड़ा सवाल है कि बरसाती पानी को बचाया कैसे जाए। इसका सरल समाधान है कि हर नागरिक इसके लिए अपने स्तर पर जरूर प्रयास करे। दरअसल हमारे पूरे समाज में किसी भी विषय पर बदलाव नागरिक चेतना के जरिए साकार हो सकता है। हम जब भी व्यक्तिगत स्तरों पर आगे बढ़कर कुछ नवाचार करेंगे तो उसके परिणाम दूसरे लोगों को भी प्रेरित करेंगे। अपने बहुत छोटे स्तर पर अपने घरों में भी बारिश के पानी को सहेजने के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। घर पर रिचार्ज पैक बनवाकर अपनी छतों से सीधे वर्षा जल को भूमि में सुरक्षित किया जा सकता है। इसके लिए बहुत छोटे से प्रयास से भी शुरुआत की जा सकती है।

अपने घर पर बहुत ही थोड़ी सी जमीन पर किसी भी हिस्से में डेढ़ से दो मीटर लंबा और तकरीबन एक मीटर चौड़ा और दो मीटर गहरा रिचार्ज पैक बनवा सकते हैं। इसमें बजरी, सिल्ट, पत्थर तथा कुछ सूखा कचरा आदि सतह के रूप में बिछाया जाता है। इस तरह तैयार रिचार्ज पैक में छत से एक पाइप के जरिये बारिश के पानी को छोड़ा जाता है। अधिक पानी के निकलने के लिए एक ओवरफ्लो सिस्टम भी बनवाना होगा। यह सक बहुत ही कम खर्चीला होता है। लेकिन अगर किसी कालोनी के सभी घरों में इस तरह का सिस्टम हो जाए तो उस रहवासी इलाके के पार्क या सामूहिक ओपन स्पेस में मौजूद बोरवेल या फिर कुंए आदि में वाटर लेवल साल भर बेहतर बना रह सकता है। महानगरों की तमाम टाउनशिप्स में इस तरह के प्रयोगों से पानी बचाने के प्रयास किये जा सकते हैं।

गहमें समझना होगा कि हमारे छोटे-छोटे इन प्रयासों से हमारी धरती के भीतर जलसंचय बहुत सकारात्मक परिणाम ला सकता है। बस जरूरत इस बात की है कि हम आज ही पानी की कीमत को समझते हुए जल संरक्षण की तरफ एक उत्साह से भरा कदम उठाएं। अब जल्द ही मानसून पूरे देश को तरबतर करेगा। बारिश की नन्हीं-नन्हीं बूंदों को हम अपने व्यक्तिगत प्रयासों से थोड़ी मात्रा में ही सही लेकिन अगर धरती के भीतर सहेज सकें तो इससे पूरे समाज में एक संदेश जाएगा। स्वतः प्रेरित हमारी ये कोशिशें ही व्याप्त जलसंकट को पूर्णतः दूर करने में भागीरथ भूमिका में होंगी।

जरनैल सिंह

कुरुक्षेत्र के लोगों को पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए

5 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी देंगे संदेश

कुरुक्षेत्र में 30 नवंबर 2022 तक चलेगा कैच द रैन अभियान, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, ओलम्पियन सुरेंद्र कुमार पालड़ सहित 5 खिलाडियों को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र को डार्क जोन की स्थिति से बाहर निकालने में अब अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी लोगों को जागरुक करेंगे। इसके लिए जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की तरफ से 5 खिलाड़ियों को जागरुकता अभियान के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनाने के लिए नाम भेजे है। इन खिलाड़ियों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य नवजोत व नवनीत कौर, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य ओलम्पियन सुरेंद्र पालड़ व वॉलीबॉल के खिलाड़ी का नाम शामिल है।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने सोमवार लघु सचिवालय के सभागार में जल शक्ति अभियान की एक बैठक के दौरान जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की तरफ से जल शक्ति अभियान-कैच द रैन अभियान के लिए ब्रांड एम्बेसडर के लिए भेजे गए 5 खिलाड़ियों के नाम केंद्रीय जल शक्ति अभियान के नोडल अधिकारी एवं भारत मंत्रालय पॉवर जीओआई के निदेशक अरुण कुमार गर्ग के समक्ष रखे। उपायुक्त ने कहा कि कुरुक्षेत्र का भूजल स्तर दिन-प्रतिदिन नीचे जा रहा है। यह एक चिंता का विषय है, अगर अब भी पानी बचाने के लिए मंथन नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पीने का पानी भी नहीं बचेगा। इस गंभीर विषय के बारे में कुरुक्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को पानी बचाने जैसे अभियानों के साथ जुडने की निहायत जरुरत है। इस विषय के प्रति लोगों के जहन में तथ्यों सहित आंकड़े और जानकारी होनी बहुत जरुरी है।

इस अभियान को जन-जन का अभियान बनाने के लिए ही प्रशासन ने जल शक्ति अभियान मिशन के तहत 5 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को ब्रांड एम्बेसडर के रुप में जिम्मेवारी सौंपी गई है।

उन्होंने कहा कि सभी अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी फिलहाल कैंप में भारतीय हॉकी टीम के लिए लगाए गए कैंपों में गए हुए है। इन सभी खिलाड़ियों का पानी बचाने से संबंधित संदेश रिकॉर्ड किया जाएगा और इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा जैसे ही खिलाड़ी कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे तो इनको बड़े कार्यक्रमों में आमंत्रित भी किया जाएगा। इन खिलाड़ियों के संदेश से युवा पीढ़ी के साथ-साथ आमजन प्रेरित होगा और जल सरंक्षण के लिए प्रशासन का सहयोग देगा। इन खिलाड़ियों के संदेश को डिजिटल प्लेटफार्म पर भी प्रसारित किया जाएगा और आकाशवाणी के माध्यम से भी जल बचाने का संदेश प्रत्येक घर तक पहुंचेगा। जब कुरुक्षेत्र का एक-एक नागरिक को पानी की महता के बारे में जानकारी मिलेगी तो निश्चित ही कुरुक्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार आएगा।

परिवार पहचान पत्र के माध्यम से बने राशन कार्डों का ऑनलाइन प्रणाली से चैक कर सकते है स्टेटस : अखिल

राशन कार्ड से संबंधित समस्या का निवारण भी होगा आनलाईन

प्रशासन ने दोनो विषयों को लेकर जारी किए लिंक

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार राशन कार्ड अब परिवार पहचान पत्र के माध्यम से एक बार बनाए गए थे। इस प्रणाली के माध्यम से शर्तों को पूरा ना करने वाले कुछ राशन कार्ड कट गए है। इतना ही नहीं कुछ लोगों को इस प्रकार के राशन कार्ड से संबंधित कुछ दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों विषयों को लेकर लोगों को इधर-उधर भटकने की जरुरत नहीं है। इसके लिए प्रशासन ने दो अलग-अलग लिंक जारी किए है।

एडीसी अखिल पिलानी ने सोमवार को बातचीत करते हुए कहा कि अभी हाल में ही परिवार पहचान पत्र से लिंक होने के बाद कुछ लोगों के राशन कार्ड कट गए है, क्योंकि संबंधित व्यक्ति निर्धारित शतों पर खरा नहीं उतरा है। इसलिए जिन लोगों के राशन कार्ड कटे है वह अपना स्टेटस प्रशासन द्वारा जारी किए गए लिंक ईपीडीएस. हरियाणाफूड. जीओवी. इन पर जाकर देख सकता है। इस लिंक से संबंधित व्यक्ति को राशन कार्ड कटने का स्टेटस व कारण पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र से लिंक होने के बाद जिन लोगों के राशन कार्ड

कटे है, उन लोगों को अगर किसी प्रकार की शिकायत है तो वह प्रशासन द्वारा जारी किए गए लिंक ग्रीवेंस.ईदिशा.जीओवी.इन पर कर सकता है। इस लिंक पर शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित द्वारा इस शिकायत पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।

91382-03233

तरावड़ी व घरौंडा की सामान्य पर्यवेक्षक पी. अमनीत कुमार ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंस से चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए, चुनावी उम्मीदवारों को आदर्श आचार संहिता का दृढ़ता से पालन करने के दिए निर्देश

कहा: सफल प्रजातंत्र की अहमियत बनाए रखने में सभी दें सहयोग

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

करनाल/घरौंडा । प्रजातंत्र में चुनावों का एक महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन उससे भी ज्यादा महत्व इस बात का है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से होने चाहिएं और यह तब ही संभव है जब चुनाव से जुड़े सभी लोग अपना सहयोग दें और आदर्श आचार संहिता का दृढ़ता से पालन करें। यह उद्गार शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में तरावड़ी व घरौंडा नगर पालिका क्षेत्र में, प्रधान व पार्षद के लिए चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों से मुखातिब होकर, इन दोनों पालिकाओं के चुनाव की सामान्य पर्यवेक्षक पी. अमनीत कुमार ने व्यक्त किए। बैठक में कानून एवं व्यवस्था के पर्यवेक्षक शिवचरण आईपीएस तथा खर्च पर्यवेक्षक डीईटीसी सेल्स करनाल संदीप दहिया भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि इन चुनावों में बहुत से उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं, प्रजातंत्र में पहले कदम के प्रवेश के लिए उन्हें बधाई है। करनाल, जो प्रत्येक चुनाव को शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए जाना जाता है, उसी छवि को बनाए रखें, कोई भी ऐसा कदम न उठाया जाए जिससे उम्मीदवार पर कोई दाग लगे। राज्य चुनाव आयोग की ओर से इन चुनावों को लेकर जो हिदायतें जारी की गई हैं, सभी ने उनका पालन करना है, यदि किसी की कोई समस्या या शिकायत है तो उसके समाधान के लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में सिंगल विंडो सर्विस और व्हाट्सअप ग्रुप बनाया गया है। इसके साथ-साथ दोनों जगहों पर हेल्प डैस्क भी बनाए गए हैं, उनके माध्यम से समाधान करवाएं।

मीटिंग में मौजूद उम्मीदवारों द्वारा पूछे गए कुछ सवालों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करने से पहले जिला चुनाव कार्यालय की ओर से आपत्तियां ली गई थी और उन्हें दूर कर सभी तरह की प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही अंतिम सूची बनाई गई है, फिर भी यदि किसी को कोई एतराज है तो वह आरओ से मिलकर उसका समाधान करवा सकते हैं, जो नियमानुसार होगा। गर्मी के मौसम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ठीक से लाईनें लगवाई जाएं, बैठने तथा पीने के पानी की उचित व्यवस्था हो, महिलाएं, दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा का भी ख्याल रखा जाए। उम्मीदवारों से उन्होंने कहा कि चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन भाईचारा बनाए रखना ठीक रहता है, इसलिए कोई भी ऐसा कदम न उठाया जाए जिससे सौहार्द्र को ठेस लगे और नियम व कायदे-कानून का भी उल्लंघन हो। आचार संहिता में जितनी भी शर्तें दी गई हैं उन सभी का पालन किया जाए। चुनावी खर्चे का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाए, जो भी खर्च करें उसका इंद्राज चुनावी रजिस्टर में अवश्य कर लें जो समय-समय पर चैक किया जाएगा। उन्होंने कानून व्यवस्था पर्यवेक्षक से कहा कि करनाल उत्तर प्रदेश की सीमा से लगता है, इसे देखते हुए उधर से आने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी और चैकिंग रखी जाए। ऐसे व्यक्तियों का किस उद्देश्य के लिए करनाल में आना हुआ है, उस पर भी पूरी निगरानी रखी जाए।

कानून व्यवस्था के पर्यवेक्षक शिवचरण ने इस अवसर पर उम्मीदवारों से कहा कि चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है, जो व्यक्ति शांतिपूर्ण चुनाव में विघ्न डालने या कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने उम्मीदवारों से कहा कि जिन्होंने अभी तक अपने असले को संबंधित थानों में जमा नहीं करवाया है वे अगले 48 घंटे के अंदर-अंदर अनिवार्य रूप से जमा करवा दें।

तरावड़ी नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी एवं इंद्री के एसडीएम डा. आनंद कुमार शर्मा ने उम्मीदवारों को आदर्श आचार संहिता की मुख्य-मुख्य बातें बताई। उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने नामांकन फार्म में एफआईआर केस पेंडिंग जैसी डिक्लेयरेशन दी है, वे चुनाव से 48 घंटे पहले उसे किन्हीं दो समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाने के साथ-साथ समाचार चैनलों में भी सूचना प्रसारित करवाएंगे। कोई भी उम्मीदवार धर्म व जाति के नाम पर प्रचार नहीं करेगा और न ही वोट की अपील करेगा। उम्मीदवार अपनी रैली व मीटिंग के लिए सरकारी भवनों का इस्तेमाल भी नहीं करेगा, रैली के लिए जो जगह चिन्हित की गई है, उन्हीं का इस्तेमाल करना होगा। आगामी 17 जून 6 बजे के बाद कोई भी उम्मीदवार चुनाव प्रचार नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त पॉलिंग बूथ के 100 मीटर के दायरे में मतदाताओं के साथ कन्वेंसिंग नहीं की जाएगी तथा वोटरों को धमकाना, शराब व किसी तरह का प्रलोभन देना भी वर्जित किया गया है। चुनाव प्रचार के बैनरों के लिए भी स्थान निर्धारित किए गए हैं, इसके अलावा वाहन, लाऊड स्पीकर का भी तय संख्या में प्रयोग करना होगा। मतदान केन्द्र के पास यदि कोई निजी वाहन बिना अनुमति के मूवमेंट करता पाया गया तो उसे इम्पाऊंड कर लिया जाएगा।

उक्त नगर पालिकाओं के खर्च पर्यवेक्षक डीईटीसी सेल्स संदीप दहिया ने उम्मीदवारों को बताया कि चुनाव में होने वाले सभी तरह के खर्चों को रोजाना रजिस्टर में मेंटेन करें। खर्च पर्यवेक्षक के कार्यालय में खर्चे को लेकर शैडो रजिस्टर भी बनाया गया है, उसके साथ मिलान किया जाएगा। चुनाव में कितने वाहन काम कर रहे हैं और उनमें प्रयोग होने वाले पैट्रोल इत्यादि के साथ-साथ टैंट और चाय के कच्चे व पक्के बिलों का इंद्राज भी रजिस्टर में करना होगा। उन्होंने बताया कि 10 जून के बाद अब 13, 16, 20 व 23 जून 2022 को सभी उम्मीदवार, संबंधित आरओ के कार्यालय में जाकर खर्च रजिस्टर को चैक करवा सकते हैं।

पिपली में फ्लाईओवर के समीप बने गड्ढे लोगों के लिए बन रहे हैं जानलेवा

मीडिया द्वारा उजागर किए जाने के बाद भी अभी तक हरकत में नहीं आये विभागीय अधिकारी

*** विभागीय अधिकारी सो रहे कुंभकरण की नींद, लगता है बड़ा हादसा होने के बाद ही खुलेगी तंद्रा**

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पिपली में फ्लाईओवर के समीप बने गड्ढों को मीडिया द्वारा उजागर किए जाने के बाद भी विभाग अभी तक हरकत में नहीं आया है । लगता है विभागीय अधिकारी कुंभकरण की नींद सोए हुए हैं । उनकी नींद कोई बड़ा हादसा होने के बाद ही खुलेगी । राष्ट्रीय राजमार्ग के करनाल जाने वाले सर्विस रोड पर बने ये गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं । इतना ही नहीं इन गड्ढों के बीच कई दुपहिया वाहन और रात को राहगीर चोटिल हो चुके हैं । लेकिन इसके बावजूद भी विभागीय अधिकारी इससे बेखबर बने हुए हैं । बता दें कि पिपली मे फ्लाईओवर के समीप करनाल जाने वाले सर्विस रोड पर कई दिनों से गड्ढे बने हुए हैं । गड्ढे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। रात के समय तो गड्ढे और भी जानलेवा साबित होते हैं । जब रात के अंधेरे में दुपहिया वाहन चालक गड्ढों के बीच में गिर जाते हैं । कई दुपहिया वाहन चालक और राहगीर गड्ढों में गिरने से चोटिल हो चुके हैं । मीडिया ने अनेकों बार इन गड्ढों के बारे में विभाग विभागीय अधिकारियों को चेताने का काम किया है। लेकिन अधिकारी इसे लेकर गंभीर नहीं है । विभागीय अधिकारी की दलील है कि यह गड्ढे राष्ट्रीय राजमार्ग पर नहीं सड़क कज किनारों पर बने हुए हैं । लेकिन सचाई यह है कि ये गड्ढे सड़क के बीच में बने हुए हैं। और दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं ।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के उपमंडल अधिकारी भानु प्रताप सिंह से जब उनका पक्ष जाना गया तो उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से गड्ढों को पहले टेंपरेरी तौर पर भरने का काम किया जाएगा । जब विभाग की ओर से मशीनरी आ जाएगी तब इन गड्ढों का स्थाई रूप से प्रबंध किया जाएगा ताकि दोबारा से ऐसी कोई समस्या ना आए । जब उन्हें बताया गया कि बरसात का सीजन सिर पर है । ऐसे में बरसाती दिनों में ये गड्ढे और भी लोगों के लिए मुसीबत बनेंगे। इस पर उपमंडल अधिकारी भानु प्रताप सिंह ने कहा की बारिश से पहले ही इन गड्ढों को भर दिया जाएगा ।

प्रदेश का पहला जेल फिलिंग स्टेशन पर अब 24 घंटे मिलेगा पेट्रोल और डीजल: सोमनाथ

जेल फिलिंग स्टेशन को सुबह 7 बजे से सायं 7 बजे तक कैदी बंदी और रात्रि के समय जेल में कार्यरत वालंटियर वार्डर द्वारा डाला जाएगा तेल, 15 दिनों में जेल फिलिंग स्टेशन की सेल पहुंची

प्रतिदिन करीब 6 लाख

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

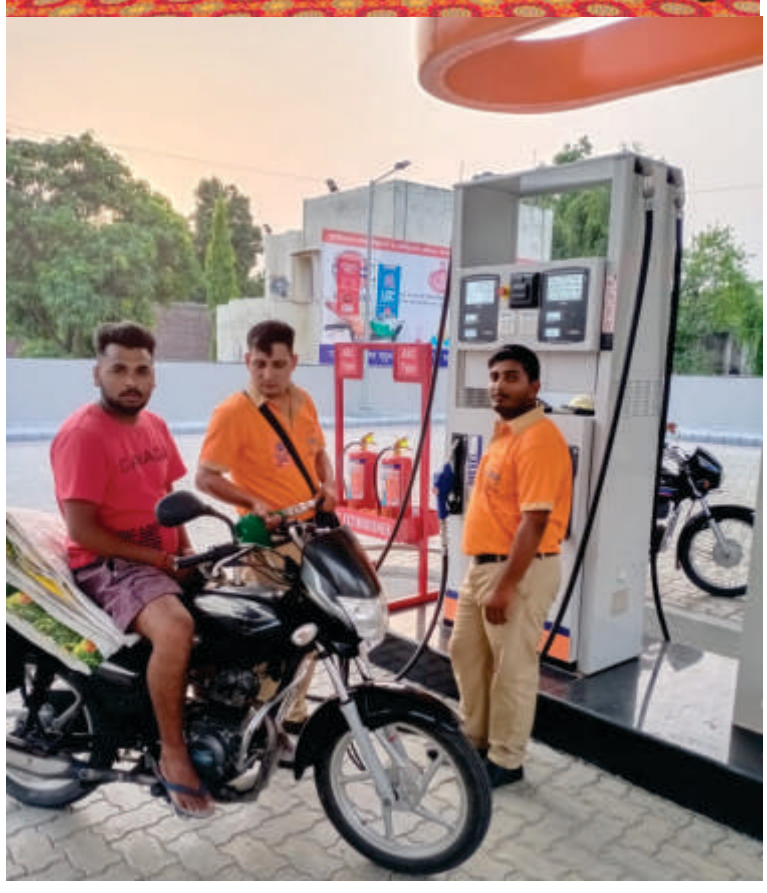

कुरुक्षेत्र । प्रदेश के पहले जेल फिलिंग स्टेशन पर अब 24 घंटे पेट्रोल और डीजल मिलेगा। इस पंप को अब रात्रि के समय में संचालित किया जाएगा। इसका संचालन सुबह 7 बजे से लेकर सायं 7 बजे तक कैदी बंदियों द्वारा किया जाएगा और रात्रि के समय जेल में कार्यरत वार्लंटियर वार्डर द्वारा किया जाएगा। इसकी अनुमति हरियाणा कारागार के महानिदेशक अकील मोहम्मद ने दी है।

जिला जेल अधीक्षक सोमनाथ जगत ने सोमवार को बातचीत करते हुए कहा कि इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड व जेल विभाग द्वारा कैदी बंदियों के संयुक्त प्रयासों से संचालित प्रदेश के पहले जेल फिलिंग स्टेशन का शुभारंभ 31 मई को जेल मंत्री रणजीत सिंह चौटाला व महानिदेशक अकील मोहम्मद द्वारा किया गया था। इन 15 दिनों में जेल फिलिंग स्टेशन की सेल प्रतिदिन करीब 6 लाख रुपए आंकी गई है। हालांकि अभी यह पम्प सुबह 7 बजे से सायं 7 बजे तक ही कैदी बंदियों द्वारा संचालित किया जा रहा था। मुख्यालय व इस कार्यालय द्वारा अब यह निर्णय लिया गया है कि जेल फिलिंग स्टेशन की सेल बढ़ाने के लिए समय अवधि भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इस विषय को जहन में रखते हुए महानिदेशक अकील मोहम्मद द्वारा 13 जून से ही जेल फिलिंग स्टेशन को मुख्यालय के निर्देशानुसार 24 घंटे खुला रखने का निर्णय लिया गया है। इस पंप का संचालन सायं 7 बजे से सुबह 7 बजे तक जेल में कार्यरत वार्लंटियर वार्डर द्वारा किया जाएगा और प्रात: 7 बजे से सायं 7 बजे तक कैदी बंदियों को एक अधिकारी की देखरेख में पेट्रोल पंप पर कार्य लिया जाएगा। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि पेट्रोल पंप की सेल 24 घंटे में लगभग 10 लाख रुपए तक पहुंचने की संभावना है। इस पेट्रोल पम्प से जहां कैदियों बंदियों को आम नागरिक की तरह काम करने का अवसर मिल रहा है वहीं शहरवासियों को अच्छी गुणवत्ता का पेट्रोल और डीजल सहजता से मिल रहा है।

घरौंडा नगरपालिका में 9 उम्मीदवार अध्यक्ष के लिए व 47 उम्मीदवार नगर पार्षद पद के लिए चुनावी मैदान में जबकि वार्ड नम्बर 4 के उम्मीदवार सर्वसम्मति से पार्षद चुने गए: अभय सिंह जांगड़ा

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । घरौंडा के एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अभय सिंह जांगड़ा ने बताया कि घरौंडा नगरपालिका के आम चुनाव में कुल 9 उम्मीदवार अध्यक्ष पद व 47 उम्मीदवार नगर पार्षद पद के लिए चुनावी मैदान में रह गए हैं और इन्हें चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिए गए हैं। जबकि वार्ड नम्बर 4 के उम्मीदवार सर्वसम्मति से पार्षद चुने गए हैं। उन्होंने बताया कि 19 जून को प्रात:7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा और मतों की गणना 22 जून को प्रात:8 बजे से शुरू होगी।

Registration Number: HAR/HIN/2018/77311
हिन्दी समाचार पत्र
गजब हरियाणा
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैंनल को लाईक व सब्सकाइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

जन्मदिन मुबारक

बेबी परिसा
15 जून

संघर्ष' भूले तो नहीं बाबा साहब का !

एक बालक प्यास से बुरी तरह से व्याकुल तड़पने की हद तक पीड़ित था, क्योंकि उसे कोई पानी पिलाने वाला वहाँ था नहीं और खुद पानी के बर्तन को छूने की अनुमति नहीं थी, अपनी कक्षा में अन्य सभी छात्रों से दूर जबरन बैठाया हुआ था। उसे वहाँ से अध्यापक द्वारा श्याम-पट पर लिखा हुआ कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था और ना ही उनके द्वारा बोला हुआ कुछ सुनाई ही दे रहा था। आखिर उस बालक के सब्र का बांध टूटा और प्यास की तीव्रता को भूल अपनी ज्ञान-पिपासा की तृप्ति के लिए बोल उठा, 'गुरु जी यहाँ ना कुछ दिखाई पड़ रहा है और ना कुछ सुनाई पड़ रहा है कि आप क्या सिखा रहे हैं।'

'तू चुपचाप बैठा रह!' अध्यापक ने खिंची हुई भृकुटि दिखाते हुए कहा। 'तुझे क्या जरूरत पड़ी है पढ़ने की!' 'अगर कुछ पढ़ भी लेगा तो क्या वकील बन जायेगा!' 'अछूत कहीं का!'

अध्यापक के शब्दों में हिकारत, जलन व कुंठा साफ झलक रही थी।

बालक मन मसोसकर रहा गया, परन्तु साथ ही उसके बाल मन पर 'वकील' शब्द अमिट रूप में छप गया। मौका मिलने पर यह बालक अमेरिका के विश्वविख्यात कोलंबिया विश्वविद्यालय से कानून में एल.एल.डी. (पीएच.डी के समकक्ष) की उपाधि प्राप्त कर वकील बना। इसी निरंतर संघर्षी, दृढ़ निश्चयी, महा मेधावी बालक का नाम भीम था जो कालांतर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाने गए।

बाबा साहब अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल सन् 1891 को मध्यप्रदेश में इंदौर के निकट महू सैनिक छावनी में हुआ था, यद्यपि ये मूल रूप से महाराष्ट्र में रत्नागिरी जिले के आम्बडवे गाँव के मूल निवासी थे। इनके पिता रामजी सकपाल ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे व माँ भीमाबाई एक घरेलू महिला थी। बाबा साहब जब केवल छ: वर्ष के थे तभी इनकी माँ का साया इनके सिर से उठ गया था, अर्थात बाबा साहब का शुरुआती जीवन ही विकट समस्याओं, झंझावातों, उत्पीड़नों से भरा हुआ था। विघटक व शोषक लोगों द्वारा जबरन थोपी गई अस्पृश्यता की विडंबना ने उन्हें जीवन के प्रत्येक मोड़ पर गहरे घाव दिए। देश के सबसे शिक्षित, 9 भाषाओं के धारा-प्रवाही वक्ता व ज्ञाता, 64 विषयों के प्रकांड विद्वान, लगभग 32 डिग्रियों के प्राप्तकर्ता बाबा साहब समाज व धर्म की भयानक सड़ी-गंधाती कुत्सितताओं से हमेशा खरोंचे-कचोटे गए, सताए गए परन्तु उन्होंने इन सभी कलुष-दुष्टताओं से जूझते हुए निरंतर जनहित को ध्यान-मध्य रखकर आगे बढ़ते चले गए। शायद इन्हीं दारुण विडंबनाओं ने बाबा साहब को ऐसा फौलादी व्यक्तित्व, संकल्पों की दृढ़ता एवं अडिग मन:स्थिति प्रदान की थी।

आजादी से पहले और बाद में भी भारत की अधिकांश जनता अपने मानवीय हकों व जीवन-प्रत्याशाओं के लिए छटपटा रही थी। कुछ मुट्ठी भर लोग इस विशाल जनसमूह को पशुओं की तरह हांक कर बड़ी निर्लज्ज क्रूरता से अपने स्वार्थों की पूर्ति कर रहे थे। यह इतना बड़ा शोषित जन समुदाय एक ऐसे मसीहा की तलाश में था जो उसे इस दासता से मुक्ति दिलवाकर देश को केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि सामाजिक, राजनीतिक व मानसिक रूप से भी एक कर दे। उनकी यह कामना बाबा साहब अंबेडकर के रूप में पूरी हुई। विभिन्न भू-आकृतियों, धर्म-सम्प्रदायों, भाषाओं-बोलियों, वर्णों-जातियों, खानपान-भिन्नताओं व जीवन-शैलियों से भरा यह देश बाबा साहब की अद्भुत प्रतिभा और विराट प्रयासों के बिना एक हो ही नहीं सकता था। 26 जनवरी 1950 के दिन अंतत: बाबा साहब अंबेडकर ने देश का संविधान निर्मित कर लागू करवा दिया और भारत संवैधानिक रूप से भी एक सम्प्रभुता-सम्पन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।

बाबा साहब की महानता केवल उनके संविधान निर्माता के रूप में ही नहीं है अपितु भारत देश के हाशिए पर धकेले गए प्रत्येक उस नागरिक तक पहुंचने एवं उसके हक-अधिकारों, आवश्यकताओं एवं समस्याओं के समाधान हेतु अपनी अंतिम धड़कन तक जूझने के कारण है। शोषितों, पिछड़ों, वंचितों, पीड़ितों, कमज़ोरों के लिए बड़ी से बड़ी शक्ति से टकरा जाने का इनका जज्बा व होंसला इन्हें न केवल महान बनाता है अपितु इन्हें वैश्विक शख्शियत भी सिद्ध करता है। हमें याद रखना चाहिए कि शोषितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को शासन-प्रशासन में उचित प्रतिनिधित्व दिलवाने, महिलाओं को बराबरी दर्जा दिलवाने व सभी को समान नागरिक अधिकारों की प्राप्ति हेतु इन्होंने कई बार अपना पद तक त्यागने की पेशकश कर दी थी। जहाँ देश में कुर्सी के लिए नेता नापाक कृत्यों तक में लिप्त हो जाते हैं वहीं बाबा साहब ने अपने सिद्धांतों और लोकहित के लिए कभी भी कुर्सी को बाधा नहीं बनने दिया।

बाबा साहब ने इस देश को संविधान दिया और इसी संविधान की बिना पर आज देश अपने सम्पूर्ण गर्व, स्वाभिमान व सम्प्रभुता से आजादी के 75 वर्ष मना चुका है। इतने वर्षों की स्वतंत्रता, गणतांत्रिक व्यवस्था के उपरांत भी बहुत सी चुनौतियों व अड़चनों को हल करता हुआ हमारा देश बहुत आगे बढ़ा है परन्तु कुछ नई-पुरानी काफी विकटताएँ, विडम्बनाएँ आज भी समाज में सर्वत्र व्याप्त हैं। सत्ताएँ बदली, समय बदला, परिस्थितियाँ बदली मगर संविधान सुदृढता से स्थापित है।

6 दिसम्बर 1956 को बाबा साहब ये नश्वर देह त्यागकर परिनिर्वाण को प्राप्त हो गए परन्तु देश में जब-जब शोषितों, पीड़ितों, पिछड़ों व दमितों के सरोकारों का मुद्दा बनता है तब-तब जन-क्रांति के रूप में बाबा साहब पुन: प्रासंगिक हो उठते हैं। एक न्यायप्रिय, स्वतंत्र व सफल राष्ट्र के लिए बन्धुता, समता, स्वतंत्रता का त्रि-आयामी सूत्र बाबा साहब ने न केवल सुझाया था वरन् इसे संविधान द्वारा सैद्धांतिक रूप से देश की जीवन-शक्ति में ही स्थापित भी कर दिया था।

आज यह देश बाबा साहब के अमिट संघर्षों की आधारशिला पर ही सुदृढ-स्थापित है।

बाबा साहब की भावमयी स्मृति में जय भीम! नमो बुद्धाय! जय संविधान!

लेखक: डॉ. कंवल किशोर, आदरणीय सन्तराम बी.ए. के साहित्य पर प्रथम शोधार्थी है।

ई-अमृत: इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में सभी जानकारी के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन

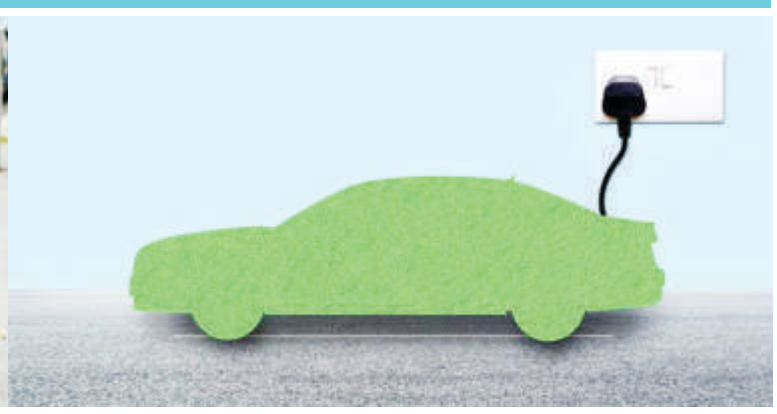

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का दौर चल रहा है। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी सभी जानकारी के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक समर्पित वेब पोर्टल चलाई जा रही है। इस पोर्टल का नाम है ई-अमृत।

दरअसल, इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित सभी जानकारी के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन या पोर्टल है जहां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने, उनकी खरीदारी करने, निवेश के अवसरों, नीतियों, सब्सिडी, इत्यादि के बारे में समस्त मिथक या भ्रम पूरी तरह से दूर कर दिए गए हैं।

ई-अमृत का उद्देश्य

यह पोर्टल यूके-भारत संयुक्त रोडमैप 2030 के हिस्से के रूप दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा हस्ताक्षरित और विकसित किया गया है। 'भारत के परिवहन के लिए ई-गतिशीलता क्रांति को तेज करना' इस पोर्टल का लक्ष्य है। 'ई-अमृत' इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लाभों से उपभोक्ताओं को अवगत कराने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों के पूरक के तौर पर काम करेगा। हाल के महीनों में भारत ने पूरे देश में परिवहन को कार्बन मुक्त करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाने में तेजी लाने के लिए कई पहल की हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को जल्द अपनाने के लिए एक अनुकूल माहौल बनाने में 'फेम' और 'पीएलआई' जैसी योजनाएं विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

उपयोगकर्ता के अनुकूल और संवादात्मक

नीति आयोग पोर्टल को अधिक संवादात्मक और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने और अधिक सुविधाएं जोड़ने, नवीन उपकरण पेश करने का इरादा रखता है। ई-अमृत उपयोगकर्ताओं को जानकारी तक पहुंच प्रदान करके, उपयोगकर्ता को एक इलेक्ट्रिक वाहन के मालिक होने या अपना इलेक्ट्रिक वाहन या संबंधित उद्यम स्थापित करने में उनकी यात्रा में सहायता करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि दुनिया अब एक नई गतिशीलता क्रांति के बीच में है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभ

परिवहन आधुनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। पेट्रोल या डीजल वाहन अत्यधिक प्रदूषणकारी हैं और इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा प्रतिस्थापित किए जा रहे हैं। पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में शून्य टेल्पाइप उत्सर्जन होता है और ये पर्यावरण के लिए काफी बेहतर होते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के के बहुत सारे फायदे हैं

1.कम चलने वाली लागत
2.कम रखरखाव लागत
3.शून्य टेल्पाइप उत्सर्जन
4. कर और वित्तीय लाभ
5.इलेक्ट्रिक वाहन चलाना आसान और शांत है
6.प्रदूषण कम करता है
7.घर पर चार्ज करने की सुविधा

इलेक्ट्रिक वाहन है सरल और सुरक्षित

इलेक्ट्रिक वाहन चलाना और उसकी मरम्मत काफी आसान है। बिना गियर स्पार्क प्लग और चूल टैंक के इलेक्ट्रिक वाहन खुद में ही सुविधाजनक होते है। इनको चार्ज करना उतना ही आसान है, जितना अपना मोबाइल फोन। जब भी समय हो आप अपने घर पर या किसी भी चार्जिंग पॉइंट पर इसे प्लगइन कर सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की आवृत्ति या गंभीरता पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम है। एनएफपीए द्वारा दी गई जानकारी कहती है कि केवल 0.006 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की घटना हुई है। वहीं इंजन वाहनों में यह प्रतिशत 0.07 है। ज्यादातर इलेक्ट्रिक वाहन एक बार चार्ज होने के बाद 60 से 110 किलोमीटर तक का एवरेज देते हैं।

ई-अमृत पोर्टल आपके लिए सबसे अच्छा इलेक्ट्रिक वाहन चुनने में मदद करता है और साथ ही घर और पब्लिक चार्जिंग स्टेशन पर पर लगने वाली चार्जिंग लागत भी बताता है। इस पोर्टल की मदद से आप इलेक्ट्रिक वाहन से की जाने वाली यात्रा की लागत भी जान सकते हैं।

पूजा का तरीका

राजगृह पथ पर जा रहे गौतम बुद्ध ने देखा, एक गृहस्थ भीगे वस्त्र पहने सभी दिशाओं को नमस्कार कर रहा था।

बुद्ध ने पूछा, 'महाशय, इन छह दिशाओं की पूजा का क्या अर्थ है ? यह पूजा क्यों करनी चाहिए ?

गृहस्थ बोला, 'यह तो मैं नहीं जानता।'

बुद्ध ने कहा, 'बिना जाने पूजा करने से क्या लाभ होगा ?'

गृहस्थ ने कहा, 'भंते, आप ही कृपा करके बतलाएँ कि दिशाओं की पूजा क्यों करनी चाहिए ?'

तथागत बोले, ' पूजा करने की दिशाएँ भिन्न हैं । माता-पिता और गृहपति पूर्व दिशा हैं, आचार्य दक्षिण, स्त्री-पुत्र और मित्र आदि उत्तर दिशा हैं। सेवक नीची तथा श्रवण ब्राह्मण ऊँची दिशा हैं । इनकी पूजा से लाभ होता है ।'

गृहस्थ बोला, 'और तो ठीक, भंते! परंतु सेवकों की पूजा कैसे ? वे तो स्वयं मेरी पूजा करते हैं ?'

बुद्ध ने समझाया, 'पूजा का अर्थ हाथ जोड़ना, सर झुकाना नहीं । सेवकों की सेवा के बदले उनके प्रति स्नेह-वात्सल्य ही उनकी पूजा है।'

गृहस्थ ने कहा, 'आज आपने मुझे सही दिशा का ज्ञान कराया ।'

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की

आद अंत जिह कर नहीं जिह कर नाम अनंत ।।
सभ करि पालन हार है रविदास अबिगत भगवंत ।।

जय गुरूदेव जी

पद अर्थ : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि उस प्रभु का आदि और अंत नहीं जाना जा सकता ।उसके अनेकों नाम है ।सबकी पालना करने वाला प्रभु है और उसका आदि अंत नहीं जाना जा सकता।
धन गुरुदेव जी

दास: सुरेश कुमार, मुंडा माजरा ,यमुनानगर।

राष्ट्रपति चुनाव का ऐलान, 18 जुलाई को होगी वोटिंग, जानिए चयन प्रक्रिया

भारतीय निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को राष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया है कि मतदान 18 जुलाई को और परिणाम 21 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। गौरतलब हो, देश के वर्तमान राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को पूरा होने जा रहा है, ऐसे में नए राष्ट्रपति के चयन के लिए चुनाव होने हैं। इस संबंध में 15 जून को अधिसूचना जारी होगी और 29 जून 2022 तक नॉमिनेशन फाइल किया जा सकेगा।

कैसे होता है राष्ट्रपति का चुनाव ?

राष्ट्रपति की चुनावी प्रक्रिया प्रधानमंत्री के चुनाव से बिलकुल अलग है। जहां प्रधानमंत्री लोकसभा के निर्वाचित सदस्यों की बहुलता की वजह से प्रधानमंत्री बनते हैं वहीं राष्ट्रपति के चुनाव में देश के दोनों सदनों लोकसभा एवं राज्यसभा और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के चुने हुए प्रतिनिधियों के मतदान से उन्हें यह प्रतिष्ठित पद प्राप्त होता है। यहां एक बात जानना बेहद जरूरी है कि राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 'एकल संक्रमणीय मत पद्धति' या 'सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम' का इस्तेमाल किया जाता है। यानि जनता अपने राष्ट्रपति का चुनाव सीधे नहीं करती, बल्कि उसके द्वारा चुने गए प्रतिनिधि करते हैं। ऐसे में इस चुनाव में केवल विधायकों और सांसदों को ही वोट डालने का अधिकार मिलता है। लेकिन यहां सबसे बड़ा और पेचीदा पेंच होता है सांसदों और विधायकों के वोट का मूल्य निकालने का। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर कैसे राष्ट्रपति के चुनाव के लिए सांसदों और विधायकों के वोट का मूल्य निकाला जाता हैज

विधायकों के वोट मूल्य निकालने का तरीका

विधायक के वोट का मूल्य निकालने के लिए उस राज्य की कुल जनसंख्या में कुल विधायक का भाग दिया जाता है और उस संख्या में 1,000 का भाग दिया जाता है। इसके बाद जो संख्या आती है वो उस राज्य के विधायक का वोट मूल्य होता है।

सांसदों के वोट मूल्य निकालने का तरीका

सांसद के वोट का मूल्य सभी राज्यों के विधायकों के वोटों के कुल मूल्य में संसद सदस्यों का भाग दिया जाता है। इसके बाद जो संख्या आएगी, वो सांसद के वोट का मूल्य होगा। यह मूल्य हर बार बदलता रहता है और यह वर्तमान संख्या के आधार पर तय होता है।

पहली पसंद वाले उम्मीदवार की होती है जीत

सांसदों और विधायकों के वोट मूल्य निकालने के बाद सभी सांसद और विधायक वोट देते हैं। इसके बाद विधायक और सांसद की संख्या के स्थान पर उनके वोट मूल्य गिने जाते हैं। इन वोट मूल्य में सबसे पहली पसंद (पहले कोटा) पाने वाले उम्मीदवार को ही विजयी घोषित किया जाता है।

व्हिप जारी नहीं किया जा सकता

विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा अपने सदस्यों को राष्ट्रपति के चुनाव में व्हिप जारी नहीं किया जा सकता। कई बार यह देखा गया है कि राष्ट्रपति के चुनाव में विपक्षी दलों के सदस्य भी सत्ता पक्ष द्वारा समर्थित उम्मीदवार को समर्थन करते है, जैसे 2002 में जब तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के द्वारा एपीजे अब्दुल कलाम का नाम सामने रखा गया तो विरोधी दलों ने भी इस पर सहमति जताई और भारी बहुमत से कलाम को देश का राष्ट्रपति चुना गया था।

5 साल का होता है राष्ट्रपति का कार्यकाल

जो भी व्यक्ति इस पद पर आसीन होता है वह 5 साल के लिए स्थाई होता है। इस बीच भले सत्ता परिवर्तन हो लेकिन राष्ट्रपति नहीं बदलते हैं। देश के प्रथम नागरिक होने के नाते राष्ट्रपति के पास कई विशेषाधिकार होते हैं जैसे क्षमा याचिका स्वीकार करना, तीनों सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर होना, इसके अलावा उनके कार्यकाल के दौरान उन पर किसी भी तरह का आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, जैसे अन्य विशेषाधिकार राष्ट्रपति के पास होते हैं।

महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान हरियाणा

1. हरियाणा राज्य का गठन कब किया गया था ?
उत्तर : 1 नवंबर 1966
2. हरियाणा राज्य का गठन किस संविधान संशोधन के तहत किया गया था ?
उत्तर : 17 वें सविधान संशोधन द्वारा
3. हरियाणा में लोकसभा की कुल कितनी सीटे है
उत्तर : 10
4. हरियाणा में राज्यसभा की कुल कितनी सीटें हैं ?
उत्तर : 5 सीटें
5. हरियाणा का राजकीय खेल कौन सा है
उत्तर : कुश्ती
6. हरियाणा का राजकीय वृक्ष कौन सा है ?
उत्तर : पीपल
7. हरियाणा का राजकीय पुष्प कौन सा है ?
उत्तर : कमल
8. हरियाणा का राजकीय पशु कौन सा है ?
उत्तर : काला हिरण
9. हरियाणा का राजकीय पक्षी कौन सा है ?
उत्तर : काला तीतर
10. हरियाणा के नाम का क्या अर्थ है ?
उत्तर : परमेश्वर का निवास
11. हरियाणा राज्य का क्षेत्रफल कुल कितना है ?
उत्तर : 44212 वर्ग किमी
12. हरियाणा के किस जिले को हरियाणा का हृदय किसे कहा जाता है
उत्तर : जींद
13. हरियाणा में सूर्य कवि के नाम से किन्हे जाना जाता है
उत्तर : पंडित लखमीचन्द
14. सराय अलीवर्दी का मस्जिद कहां पर स्थित हैं ?
उत्तर : गुड़गांव में
15. हरियाणा के किस जिले को पेपर सिटी के नाम से जाना जाता है ?
उत्तर : यमुनानगर
16. हरियाणा में धर्मनगरी किस जिले को कहा जाता है ?
उत्तर : कुरुक्षेत्र
17. हरियाणा राज्य का सोहना नगर किसके कारण प्रसिद्ध है ?
उत्तर : गर्म पानी के कुंड के कारण
18. माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ाई करने वाले भारत की पहली हरियाणवी महिला कौन है ?
उत्तर : सन्तोष यादव
19. हरियाणा के किस जिले में जल महल स्थित है ?
उत्तर : नारनौल में
20. हरियाणा राज्य की सबसे छोरी नहर कौन सी है ?
उत्तर : भिवानी नहर

जिले में चलेगा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, निरक्षरों की होगी पहचान, किया जाएगा साक्षर और दिया जाएगा डिजिटल ज्ञान : अनीश यादव

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल । जिले के निरक्षर यानि अनपढ़ लोगों के लिए एक अच्छी खबर आई है। अब जिले के सभी निरक्षर पुरुषों व महिलाओं की पहचान करते हुए उन्हें साक्षर करने का काम शुरू किया जायेगा, ताकि उन्हें भी अक्षरों की पहचान हो और उनका जीवन भी सुगम बने। यह काम केंद्र सरकार के नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत होगा। यह जानकारी उपायुक्त अनीश यादव ने दी। वे सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय कमेटी की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उपायुक्त ने बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाईन मोड में चलाया जाएगा। निरक्षरों को साक्षर करने का यह कार्यक्रम प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्वयंसेवको की मदद से आगे बढ़ाया जाएगा। इस कार्य को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्राथमिक स्तर पर जिला, ब्लॉक तथा ग्राम व वार्ड स्तर पर कमेटियां बनाई जाएंगी तथा उन स्वयंसेवकों की पहचान की जाएगी जो पढ़ाने में सक्षम हों और तकनीकी ज्ञान रखते हों।

उन्होंने बताया कि जिला स्तर की कमेटी की चेयरमैन उपायुक्त, जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी उपाध्यक्ष, जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव, डाईट के प्रिंसिपल सदस्य होंगे। इसी प्रकार खंड स्तरीय कमेटी में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अध्यक्ष, खंड शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से सीडीपीओ सदस्य होंगी। ग्राम व वार्ड स्तर की कमेटी में सरपंच व वार्ड से पार्षद अध्यक्ष, स्कूल के मुखिया सदस्य सचिव व आंगनवाड़ी वर्कर, आशा वर्कर तथा स्वयंसेवक सदस्य के तौर पर कार्य करेंगे। ग्राम व वार्ड स्तर की कमेटी अपने संबंधित क्षेत्र में निरक्षरों की पहचान करेगी और उन्हें साक्षर करने के लिए प्रेरित करेगी। इन लोगों को साक्षर करने के साथ-साथ डिजिटल ज्ञान भी दिया जाएगा ताकि आज के युग में वे भी तकनीक के साथ जुड़ते हुए ऑनलाईन लेन-देन कर सकें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बच सकें। उपायुक्त ने बताया कि वर्ष 2011 सर्वे के अनुसार जिले में 10778 निरक्षर लोगों की पहचान की गई थी, सबसे पहले इन्हीं लोगों तक पहुंच बनाते हुए उन्हें नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाएगा।

उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल चौधरी को निर्देश दिए कि वे खंड स्तरीय कमेटियों तथा ग्राम व वार्ड स्तरीय कमेटियों का जल्द से जल्द गठन कर नव भारत साक्षरता कार्यक्रम को जिले में आगे बढ़ाएं और अधिक से अधिक स्वयंसेवकों को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ें।

इस मौके पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा, डाईट शाहपुर से नरेश काम्बोज, संबंधित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सीईओ जिला परिषद कार्यालय से अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप लगे पेड़ों की हरियाली पर चला कुल्हाड़ी

काटे गई पेड़ पौधे भीषण गर्मी के चलते लोगों व राहगीरों के बचाव में हो रहे थे सहायक

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । भीषण गर्मी के चलते जहां सामाजिक संस्थाएं लोगों को गर्मी से बचाव के लिए अनेक उपाय कर रही है । वहीं दूसरी ओर कई ऐसे लोग भी हैं जो दूसरों के लिए पीड़ादायक बने हुए हैं। पेड़ पौधे जो लोगों और राहगीरों को भीषण गर्मी से बचाव में सहायक हैं। इन पौधों के नीचे राजगीर वे लोग गर्मी से बचाव बचने के लिए उनकी ठंडी छांव का सहारा लेते हैं। लेकिन कुछ लोग की इन पेड़-पौधों की हरियाली पर कुल्हाड़ी चल रही है ।

ऐसा ही मामला राष्ट्रीय राजमार्ग पिपली में देखने को आया है। जहां पर दुकानदारों ने राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ-साथ लगे पेड़ पौधों को काट डाला है। यह पेड़ पौधे राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले राहगीरों के लिए एक संजीवनी बने हुए थे । भीषण गर्मी के बीच यह पौधे उनके लिए एक सहारा बने हुए थे । इतना ही नहीं गोवंश भी गर्मी के चलते इन पेड़ पौधों के नीचे आश्रय लेते थे । लेकिन इन पेड़ पौधों को दुकानदारों ने अपने स्वार्थ के लिए जमींदोज कर दिया है। पेड़ पौधों की कटाई को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का कहना है कि एक और जहां भीषण गर्मी से बचाव के लिए आमजन और सामाजिक संस्थाओं द्वारा बचाव किए जा रहे हैं। जगह-जगह छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई जा रही है। और दानवीर लोगों द्वारा इससे कहीं आगे बढ़कर लोगों की सेवा की जा रही है । ऐसे में भीषण गर्मी के चलते पेड़ पौधों की हरियाली पर चली कुल्हाड़ी अनेक चर्चाओं को जन्म दे रही है।

जब खंड पिपली के खंड एवं पंचायत विकास अधिकारी साहब सिंह से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि यह एरिया नेशनल हाईवे के अधीन आता। दूसरी ओर जब नेशनल हाईवे के एसडीओ भानु प्रताप सिंह से उनका पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल पर संपर्क साधा गया तो उनका फोन नेटवर्क से बाहर मिला।

फॉरेस्ट विभाग के फॉरेस्ट गार्ड राजू से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वन विभाग के पेड़ों पर नम्बर लगे हुए। इस जगह हमारे विभाग के कोई पेड़ नही है। लेकिन जिसने भी ये पेड़ काटा है उसने गलत किया। में मौके पर जाकर देखता हूँ।

किसानों को इस समय एक बड़ा आंदोलन करने की जरूरत : राकेश टिकैत

भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने गांव खैरा मे किया किसानों की बैठक को संबोधित

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि इस समय किसानों को एक बड़ा आंदोलन करने की जरूरत है जिस तरह सरकार तानाशाही दिखा रही है तो उसका हल तो एक बड़ा आंदोलन करने से ही निकल सकता है इसलिए किसानों को अब जागने की जरूरत है और सभी किसान एकजुट होकर अपने हकों की लड़ाई लड़े। राकेश टिकैत गांव खैरा मे भाकियू के जिलाध्यक्ष रामकुमार के निवास पर किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली मे किसानों का आंदोलन 13 महीनें तक चला और सरकार से बातचीत के आधार पर दोनो पक्षों की सहमति बनी लेकिन उसके बावजूद सरकार अपने वायदों पर खरी नहीं उतर रही है। उन्होंने कहा कि इस समय देश में महंगाई बहुत बढ़ गई है और कृषि उत्पादों के दाम बढने के कारण फसल को तैयार करने में किसानों का खर्च बहुत बढ़ गया हैं इसलिए सरकार स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करें और एमएसपी की गारंटी का कानून बनाए ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को 5 घंटे बिजली दे रही है किसान 5 घंटे बिजली से कैसे खेती कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार किसानों का हित चाहती है तो किसानों को कम से कम 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि पर्याप्त पानी से किसान अपनी खेती कर सके। उन्होंने कहा कि अगर सरकार धान की जगह कुछ और बदलाव करवाना चाहती है तो किसानों को दूसरी फसल तैयार करवाने के लिए उसकी बिक्री की गारंटी तय करे। इस मौके पर समाजसेवी संदीप गर्ग, रविन्द्र सिंधू,प्रदेशाध्यक्ष रतनमान, सुभाष गुर्जर, रामधारी बूरा, जसबीर जैनपुर, मदन पाल बपदा, कुलविन्द्र खैरा, रमेश खैरा, शीश राम व भारी संख्या मे किसान उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति, भाषा एवं भारतीयता राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आत्मा : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में देगी अपना योगदान

केयू के आईआईएचएस द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्धित महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारतीय संस्कृति, भाषा एवं भारतीयता राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आत्मा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आत्मा में भारतीय परम्परा के अनुरूप भारतीय भाषाओं के अंदर शिक्षा, सभी के लिए समान शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, इंटर्नशिप, मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा का प्रावधान है जो कि न केवल हमारे विद्यार्थियों को देश पर गर्व करने की भावना को जोड़ने का काम करेंगे बल्कि उन्हें रोजगारपरक भी बनाएंगे। यह विद्यार्थी केंद्रित एक ऐसा दस्तावेज है जो नए भारत के निर्माण में अपना योगदान देगा। भारत की आने वाली पीढ़ियों को सर्वांगीण विकास हो यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उदेश्य है। इन्हीं उदेश्यों को पूरा करने के लिए देश भर में इसे लागू करने के लिए भी उतना ही विचार विमर्श हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नई सूचना तकनीक आधारित शिक्षा, शिक्षकों की नियुक्तियां, प्रदर्शन के आधार पर प्रमोशन, शोध की गुणवत्ता, विश्वविद्यालयों एवं शिक्षकों की स्वायतता सहित सभी विषयों पर प्रमुखता के साथ चर्चा की गई है। वे सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आईआईएचएस द्वारा विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए एनईपी के क्रियान्वयन पर 13 जून से 17 जून तक पांच दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल का विजन है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 2025 तक पूरे हरियाणा में लागू करना है। भारत का शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन इतिहास रहा है तथा हमारे प्राचीन काल के शिक्षण संस्थान जिनमें तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी शामिल हैं में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती थी। इसके अलावा चरक, चक्रपाणि, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त, चाणक्य, पंतजलि, नागार्जुन, गौतम, पिंगला, शंकरादेव, गार्गी, मैत्री महान् विद्वानों व वैज्ञानिकों ने विश्व स्तर पर विभिन्न विषयों में अपने-अपने क्षेत्रों द्वारा विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन किया है।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि पूरी शिक्षा नीति विद्यार्थी एवं शिक्षक केंद्रित है। इसलिए इसे लागू करने में भी शिक्षकों की भूमिका ही महत्वपूर्ण होने वाली है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने इस लागू करने के लिए पूरी रूपरेखा पहले ही बना ली गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पाठयक्रमों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि न केवल हरियाणा में बल्कि देश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए हमारे शिक्षक एवं पाठयक्रम रोल मॉडल बनें उसी दिशा में हम काम कर रहे हैं। कुलपति ने सभी सम्बद्धित कॉलेजों के प्राचार्यो व शिक्षकों से आहवान किया कि आने वाली पीढ़ियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में विश्वविद्यालय में अग्रणी रहा है। इसलिए शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे भारत एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षक नीति को लागू करने में आउट ऑफ बॉक्स विचार करें, रचनात्मक पाठयक्रम बनाएं ताकि विद्यार्थियों की रूचि शिक्षा में और बढ़ें।

इस अवसर पर कार्यशाला की संरक्षिका व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की डीन अकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर आधारित पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में एनईपी के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इस पर एक वर्ष से काम कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप इसे लागू करने का ढांचा तैयार किया जा चुका है। केयू ने विश्वविद्यालय कैम्पस में यूजी कोर्सिज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि एनईपी को लागू करने के लिए हर कॉलेज के लिए फ्रेमवर्क अलग होगा। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों से इस पांच दिवसीय कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

डीन एजुकेशन प्रो. अरविन्द मलिक, आईआईएचएस को इस कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि एनईपी एक ऐसा प्रोडक्ट है जो मार्किट की डिमांड को पूरा करेगा। इस शिक्षा नीति के द्वारा ही विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर सोच बदलने की जरूरत है। आईआईएचएस के प्राचार्य प्रो. संजीव कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों को स्वागत करते हुए पांच दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में डॉ. विवेक चावला ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. ब्रजेश साहनी, कार्यशाला की कोऑर्डिनेटर प्रो. अनिता दुआ, प्रो. रीटा, प्रो. अश्वनी कुश, प्रो. परमेश कुमार, डॉ. महासिंह पूनिया, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ. अश्वनी मित्तल सहित सम्बद्धित कॉलेजों के प्राचार्य व शिक्षक मौजूद थे।

पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड योजना का उठाएं ज्यादा से ज्यादा लाभ : डीसी

सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा दिया जाएगा ऋण

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने किसानों का आह्वान किया कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों की पशुपालन व अन्य संबद्ध क्षेत्रों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है।

डीसी ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

पशुपालकों को ऋण का केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से करना होगा भुगतान

डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा। उन्होंने बताया कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय-समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गये ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए।

एक साल तक ऋण वापस जमा न करवाने पर भरना पड़ेगा 12 प्रतिशत सालाना ब्याज

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि यदि किसी पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीदारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है। पशुओं की भिन्न-भिन्न श्रेणियों और वित्तीय पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए पशुपालक को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

उपायुक्त अनीश यादव ने अल्फा सिटी के महाप्रबधंक को 33 के.वी. सब स्टेशन की स्थापना के लिए सीएलयू जल्दी उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश, कहा-लापरवाही की तो होगी कार्यवाही

अल्फा रेजिडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन की ओर से रखी गई समस्या का डीसी, समाधान निकालने का कर रहे प्रयास

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल । उपायुक्त अनीश यादव ने अल्फा सिटी रेजिडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन की ओर से रखी गई बिजली की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर अल्फा सिटी के महाप्रबंधक जे.के. समल को निर्देश दिए कि वे 33 के.वी. सब स्टेशन की स्थापना के लिए निर्धारित जगह की जल्द से जल्द सी.एल.यू. उपलब्ध करवाएं ताकि बिजली विभाग सब स्टेशन की अनुमानित लागत की रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने डीटीपी को स्पष्ट हिदायत दी कि यदि ये सीएलयू लेने में लापरवाही बरतते हैं तो इनके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए।

उपायुक्त सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में अल्फा रेजिडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन की ओर से रखी गई समस्या के समाधान के लिए अल्फा सिटी के अधिकारियों की बैठक में प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने आज फिर दोहराया कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना अल्फा सिटी का दायित्व है इससे बच नहीं सकते, जो प्रचार सामग्री में सुविधाएं मुहैया करवाने का वायदा किया है, उसे हर हाल में पूरा करके देना होगा। बैठक में बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता ने बताया कि 33 के.वी. सब स्टेशन की अनुमानित लागत की रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जैसे ही सी.एल.यू. उपलब्ध करवाया जाएगा, अल्फा सिटी प्रबंधन को यह रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित अल्फा रेजिडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रधान जोगिन्द्र सिंह मदान को आश्वासन दिया कि वहां के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं हर सम्भव उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर जोगिन्द्र मदान ने अल्फा सिटी की स्ट्रीट व पार्कों की लाईटों को भी दुरूस्त करवाने के लिए अनुरोध किया। इस पर उपायुक्त ने अल्फा सिटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पर भी ध्यान दिया जाए। बैठक में बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता, कार्यकारी अभियंता, उपमंडल अभियंता, डीटीपी मौजूद रहे।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।
91382-03233

अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट के तहत आए मामलों को ले गम्भीरता से

समय पर पीड़ित को मिले न्याय : डीसी पार्थ गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट के तहत जो भी मामले आते है उनके केसो को गंभीरता से ले तथा समय पर पुलिस चालान प्रस्तुत करे और पीड़ित को नियमानुसार समय पर मिले न्याय।

उपायुक्त सोमवार को डीसी कार्यालय में जिला स्तरीय मैनवल सैक्रैन्जिंग सतर्कता कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने गंभीरता से सभी मामलो की जानकारी ली। बैठक में जिला न्यायवादी धर्मचंद ने बताया कि आज की बैठक में उपायुक्त ने कमेटी में चिन्हित अपराध, पोक्सो एक्ट, 376 के गम्भीर मामले और एससी/एसटी एक्ट के मामलों पर विचार किया। उन्होंने बताया कि जिले में चिन्हित अपराध के 6 मामले है सभी पर विचार किया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं के साथ संगीन अपराधों के 83 केस है। उपायुक्त ने इन केसों की सुनवाई की और कहा कि इन्हे कार्यवाही के लिए भेजा जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोहित हाण्डा, जेल अधीक्षक संजीव पातड़, सीएमओ डॉ.मनजीत सिंह उपस्थित रहे।

रंगपुर बुलंदशहर में वार्षिक संत समागम श्रद्धा के साथ सम्पन्न

समागम में सभी धर्मों के धर्माचार्यों ने पहुंच कर दिया अमन व भाई-चारे का सन्देश

समागम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का उमड़ा जन सैलाब

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

बुलंदशहर । स्वामी बीरसिंह हितकारी जी महाराज द्वारा 4 व 5 जून को दो दिवसीय श्री गुरु रविदास जी महाराज एवं उनकी परम् शिष्य मीरांबाई जी और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को समर्पित वार्षिक संत समागम का आयोजन रंगपुर जिला बुलंदशहर उत्तरप्रदेश में किया गया। 4 जून दिन शनिवार को रंगपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें श्री गुरु रविदास जी महाराज, संत मीरांबाई जी व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की भव्य पालकियों में सुंदर झांकियां निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शोभायात्रा का गांव में जगह-जगह स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने स्वामी बीरसिंह हितकारी जी महाराज को फूल मालाएं डालकर सम्मान किया व पालकियों पर पुष्पवर्षा की। श्रद्धालुओं के लिए दो दिन तक अटूट भंडारे चलाए गए। 4 जून रात को संत समागम का शुभारंभ जोत प्रज्वलित कर व श्री गुरु रविदास जी महाराज की पावन आरती से हुआ। समागम पंडाल को सुंदर रंग-बिरंगी लाइटों व गुब्बारों से सजाया गया था जो अति मनमोहक, मनभावन था। संत समागम में सभी धर्मों के धर्माचारियों संत सुखदेव वाघमारे जी, स्वामी चंद्रदेव जी महाराज, आचार्य विवेक मुनि जी, गोस्वामी सुशील जी महाराज, संत प्रेमनाथ योगी जी महाराज, श्री गुरु पवन सिन्हा जी महाराज, प्रो.सलीम इंजीनियर साहब, सरदार सलिंद्र सिंह जी, संत श्री के.सी रवि जी ने उपस्थित होकर सर्व समाज को अमन चैन एवं भाई-चारे का सन्देश दिया। स्वामी बीरसिंह हितकारी जी ने सभी धर्माचारियों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समागम में उत्तरप्रदेश सहित हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल,मध्यप्रदेश से हजारों की संख्या में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हाजरी भरी और समागम की शोभा बढ़ाई। समागम में बाबा तेज प्रकाश जी, संत धनपत दास जी, संत जैन दास हितकारी जी, स्वामी बीरसिंह हितकारी जी, नीतू जी सहित उपस्थित संतों ने गुरु महिमा का बखान कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। समागम का समापन 5 जून को सुबह 6बजे गुरु रविदास जी महाराज जी की आरती के साथ हुआ। स्वामी बीरसिंह हितकारी जी महाराज ने संतो, समाजसेवियों व सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

किसान पशुओं की देखभाल के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ले सकता है ऋण: मुकुल

बिना किसी गारंटी के 1 लाख 60 हजार रुपए तक लिमिट का बनवा सकते है किसान क्रेडिट कार्ड, सालाना 7 फीसदी ब्याज दर के तहत प्रदान किया जाएगा ऋण, समय पर भुगतान करने पर सरकार द्वारा 3 फीसदी ब्याज का दिया जाएगा अनुदान

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण ले सकता है। कोई भी पशुपालक 1 लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखें या किसी प्रकार गारंटी न देते हुए कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि किसान पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाए। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के तहत गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुधर सके। छोटे किसानों की पशुपालन व अन्य संबद्ध क्षेत्रों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जाएगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा। उन्होंने बताया कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जाएगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय-समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गए ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए।

उन्होंने कहा कि यदि किसी पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीदारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है। पशुओं की भिन्न-भिन्न श्रेणियों और वित्तीय पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए पशुपालक को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

किसान ही अनाज को उगाता है और किसान द्वारा उगाए हुए अनाज को ही मनुष्य खाता है : गर्ग

28 जून को राकेश टिकैत करेंगे खाना बनाने वाली आधुनिक मशीनों का करेंगे सुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । गांव खैरा में रविवार देर सांय भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के कार्यक्रम मे स्टालवार्ड फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर व शाल ओढ़कर सम्मानित किया। इसके साथ ही 28 जून को लाडवा व बाबैन में चल रही रसोई के लिए उनकी फैक्ट्री गांव यारा में बन रही आधुनिक रसोई का शुभारंभ करने के लिए निमंत्रण दिया।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि अन्नदाता ही अन्न को उगाता है और लाडवा व बाबैन में जो इस समय मात्र पांच रूपए में भरपेट भोजन खिलाया जा रहा है। अब 28 जून से उन रसोइयों के लिए आधुनिक मशीनों द्वारा खाना बनाया जाएगा। जैसे कि चपाती, सब्जी आदि। उन्होंने कहा कि उनका शुभारंभ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत द्वारा किया जाएगा।क्योंकि किसान ही अनाज को उगाता है और किसान द्वारा उगाए हुए अनाज को ही मनुष्य खाता है। इसलिए उनकी आधुनिक रसोई का उद्घाटन भी एक अन्नदाता द्वारा ही करवाया जाएगा। वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने समाजसेवी संदीप गर्ग के बारे में कहा कि धन तो बहुत लोगों के पास होता है। परंतु उसे खर्च करने की क्षमता और सेवा भाव हर किसी के बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से लाडवा हल्के की जनता की सेवा समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा की जा रही है उसकी सराहना जितनी की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि 28 जून को वह स्वयं उनकी आधुनिक रसोई का उद्घाटन करने के लिए उनकी फैक्ट्री पर भारी संख्या में किसानों के साथ पहुंचेंगे। वहीं राकेश टिकैत के साथ पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग न केवल लाडवा हल्के में रसोई चला रहे हैं। बल्कि इसके अलावा शहर की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं व अन्य लोगों की सेवा करने में भी पीछे नहीं है। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति यदि उनके पास अपनी जरूरत लेकर जाता है तो वह उनकी हर समस्या का समाधान तुरंत ही कर देते हैं उनका हाथ हमेशा लोगों की सेवा करने के लिए तत्पर रहता है। आज लाडवा हल्के की जनता उन्हें दानवीर कर्ण के रूप में देख रही है। इस मौके पर रामकुमार खैरा, रतनमान, रामधारी भूरा, कुलविन्द्र, जसबीर जैनपुर आदि किसान मौजूद थे।

तीसरे चरण के तहत चिन्हित परिवारों को लाभ देने के लिए अंत्योदय मेलों का किया जा रहा है आयोजन: पिलानी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना (एमएमएपीयूवाई) के तहत चिन्हित परिवारों की आय बढ़ाने के लिए अथक प्रयास करने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ-साथ लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाने के लिए भी अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जा रहा है ताकि चिन्हित परिवारों तक इन योजनाओं की अधिकतम पहुंच सुनिश्चित हो सके।

एडीसी अखिल पिलानी ने बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार तीसरे चरण के तहत अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों का आयोजन अलग-अलग ब्लॉकों में 6 जुलाई 2022 तक किया जाएगा। इसी कड़ी में बाबैन ब्लॉक के गांव बिंट में 10 जून और 13 जून को अंत्योदय मेलों का आयोजन किया गया है। इस मेले में करीब 600 लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदान करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि पिपली ब्लॉक के मेले का आयोजन 15 से 17 जून तक न्यू लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र के ग्राउंड फ्लोर पर किया जाएगा। इसी प्रकार थानेसर ब्लॉक के मेले का आयोजन 18 व 20 जून को न्यू लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र के ग्राउंड फ्लोर, थानेसर एमसी के मेले का आयोजन 21 से 23 जून को यू लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र के ग्राउंड फ्लोर, लाडवा ब्लॉक के मेले का आयोजन 24 जून को बीडीपीओ कार्यालय लाडवा, इस्माईलाबाद ब्लॉक के मेले का आयोजन 27 व 28 जून को खटीक धर्मशाला इस्माईलाबाद, पिहोवा ब्लॉक के मेले का आयोजन 29 जून से 1 जुलाई तक रामलीला भवन पिहोवा व शाहबाद ब्लॉक के मेले का आयोजन 2 जुलाई से 6 जुलाई तक आर्य कन्या कॉलेज शाहबाद में होगा।

उन्होंने कहा कि इन मेलों में अधिकारी चिन्हित परिवारों के साथ बातचीत कर उन्हें परामर्श देंगे। अधिकारी एमएमएपीयूवाई के तहत चिन्हित परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताएं ताकि वे योजनाओं को भली-भांति समझ सके और इसका लाभ उठा सके। इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की न्यूनतम अस्वीकृति हो, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यदि आवेदक एक विशेष योजना के लिए पात्र नहीं है तो उसका आवेदन अन्य विभागों को अग्रेषित किया जाना चाहिए ताकि उसे अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ कर उसका लाभ पहुंचाया जा सके।

अब सीएम आवास का नाम होगा संत कबीर कुटीर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की नाम बदलने की घोषणा

*** इसके अलावा भी सीएम खट्टर ने कई घोषणाएं की और कहा कि संत कबीर की जन्म स्थली बनारस जाने वाले हर व्यक्ति के रेल किराए की प्रतिपूर्ति हरियाणा सरकार करेगी**

*** हरियाणा सरकार ने रोहतक सांसद को ही नहीं भेजा निमंत्रण**

गजब हरियाणा न्यूज

रोहतक, रविवार को रोहतक में राज्य स्तरीय पर संत कबीर दास जयंती समारोह मनाया गया, जिसमें सीएम मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कई घोषणाएं भी की। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास का नाम बदलने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संत कबीर की जन्म स्थली पर जाने वाले प्रदेश वासी के रेल टिकट का खर्चा हरियाणा सरकार वहन करेगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि अनुसूचित जाति के सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन में केंद्र की तरह आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। प्रदेश में अनुसूचित जाति और पिछड़े समाज के जितने भी शिक्षण संस्थान और धर्मशालाएं हैं, उसमें एक कमरा उपलब्ध कराए जाने पर शिक्षा विभाग की तरफ से पुस्तकालय बनवाया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश में किसी एक शिक्षण संस्थान का नाम संत कबीर के नाम पर रखा जाएगा।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां दी जा रही

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति के बच्चों को छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं। उच्चतर शिक्षा के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध करवाई जा रही है। सरकार द्वारा 12वीं तक मुफ्त पुस्तकें, वर्दी व लेखन सामग्री दी जा रही है। गरीब परिवारों की बेटियों की कालेज-यूनिवर्सिटी में भी फीस नहीं लगती है। स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को मैडीकल पी.जी. में नियमित आरक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ 'डा. अम्बेदकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना' चलाई जा रही है। योजना का दायरा सभी वर्गों के लिए बढ़ाया गया है। इस कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कई मंत्री और सांसदों ने भी शिरकत की।

गरीब और पिछड़ों के उत्थान की दिशा में काम करती है

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार भी मंच पर पहुंचे और मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी का धन्यवाद किया। सीएम ने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो गरीब और पिछड़ों के उत्थान की दिशा में काम करती है।

कबीर जयंती के कार्यक्रम में ही दिखा 'बैर', हरियाणा सरकार ने रोहतक सांसद को ही नहीं भेजा निमंत्रण

बिन बुलाए सांसद डॉ. अरविंद शर्मा को जब मंच पर अपने लिए कुर्सी भी नजर नहीं आई तो प्रेस गैलरी में ही बैठ गए और इसके बाद पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कबीर जयंती पर मुख्यमंत्री और सांसद के बीच 36 का आंकड़ा देखने को मिला।

कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती न काहू से बैर, कबीरदास के इस दोहे का अर्थ है कि इस दुनिया में आकर कबीर यही चाहते हैं कि सबका भला हो और अगर किसी से दोस्ती न हो तो दुश्मनी भी न हो। कबीर की इस सीख को उनकी जयंती पर ही आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में शायद भुला दिया गया। कार्यक्रम में भले ही सीएम मनोहर लाल ने हरियाणा सरकार द्वारा कबीर की सीख पर चलने की बात कही पर प्रेस गैलरी का एक दृश्य कुछ अजीब ही नजर आया, जहां रोहतक के सांसद डॉ. अरविंद शर्मा बैठे दिखे।

बुलंदशहर संत समागम से लौट रहे जत्थे का गजब हरियाणा समाचार पत्र के कार्यालय में स्वागत किया

संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज को एकजुट करते हुए समरस्ता का जो संदेश दिया था : शेर सिंह

*** संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने समाज को जागरुक करते हुए भक्ति की लौ जलाई : फूल चंद**

*** गैर बराबरी पर आधारित सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था पर चोट : जसबीर हरयोली**

*** बिना सत्ता के गुरुओं और महापुरुषों का सपना पूरा नहीं होगा : चरणजीत**

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । स्वामी बीरसिंह हितकारी जी महाराज द्वारा आयोजित श्री गुरु रविदास जी महाराज एवं उनकी परम् शिष्य मीरांबाई और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को समर्पित संत समागम का आयोजन 4 व 5 जून को उत्तरप्रदेश राज्य के जिला बुलंदशहर के गांव रंगपुर में सम्पन्न हुआ। जिसमें उत्तरप्रदेश सहित हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल,मध्यप्रदेश से हजारों की संख्या में गुरु रविदास नामलेवा संगत ने हाजरी भरी। इस महान आयोजन से वापिस लौटते हुए जत्थे में शेर सिंह अम्बाला, चरणजीत सिंह नाफरे संगरूर,फूल चंद फुलेल माजरा, मामराज ढकोला, सोहनलाल साहा, मामराज मगलई,चरणा राम केशोपुर, जसबीर हरयोली, अमरनाथ हरयोली, सेवाराम, निरंजन, निहाल सिंह,भगवान दास, जगीरो देवी,सोमी, जगीरो ने गजब हरियाणा समाचार पत्र के पिपली स्थित कार्यालय में जलपान ग्रहण किया और गुरु रविदास मिशन पर वार्तालाप किया। गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक जरनैल सिंह रंगा ने सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर समाजसेवी शेर सिंह अम्बाला ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज को एकजुट करते हुए समरस्ता का जो संदेश दिया था, आज भी सार्थक है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने समाज की समानता, सभी वर्गों की खुशहाली और छुआछूत व जात-पात रहित जिस समाज की कल्पना की थी। वो आज संतो की रात-दिन की मेहनत से पूरा होता दिखाई दे रहा है।

फूल चंद फुलेलमाजरा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने समाज को जागरुक करते हुए भक्ति की लौ जलाई और मानवता का संदेश दिया। गुरु जी द्वारा लगभग 645 वर्ष पूर्व जो संदेश दिया गया, वह आज भी उतना ही सार्थक है जितना उस समय था। मानव को उन द्वारा बताई गई एक-एक बात और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं पर चलकर जीवन को सफल बनाना है। आज समूचे विश्व मे श्री गुरु रविदास जी की अमृतवाणी का प्रकाश हो रहा है और रविदासिया धर्म के धर्म गुरु श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज की सरपरस्ती में धर्म के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री 108 संत सुखदेव वाघमारे, श्री 108 स्वामी बीरसिंह हितकारी जी, संत मनदीप दास,संत निर्मलदास, संत जैन दास हितकारी सहित अन्य संत महापुरुष रविदासिया धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे है।

हरयोली गुरु रविदास सभा के प्रतिनिधि जसबीर हरयोली ने कहा कि गुरु रविदास जी ने अपने समय में गैर बराबरी पर आधारित सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था पर चोट करते हुए कहा

'ऐसा चाहूं राज मैं मिले सबों को अन्न छोट बड़ सम बसें रविदास रहे प्रसन्न' इस दोहा के माध्यम से गुरु रविदास जी ने सामाजिक एवं आर्थिक विषमता को मिटाकर समाजिक एवं आर्थिक क्षमता की वकालत की।

गुरु रविदास जी महाराज जी ने सत्संग और कीर्तन के माध्यम से निर्गुण भक्ति करते हुए घूम-घूम कर देश के कमजोर, पीड़ित शोषित समाज को जागृत करने का काम किया। आज भी उनके जीवन और संघर्षों से प्रेरणा लेकर समाज को जागरूक करने की जरूरत है।

चरणजीत सिंह संगरूर ने कहा कि जब तक बहुजन समाज के लोगों के हाथों में राजनीतिक सत्ता नहीं आएगी तब तक अपने गुरुओं और महापुरुषों का सपना पूरा नहीं हो पाएगा।

देश, धर्म व समाज की रक्षा के लिए हो सनातनी आयोजन : कटारिया

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सूरजभान कटारिया ने कहा है कि देश, धर्म व समाज की रक्षा के लिए सनातनी आयोजन होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें परिवारों में धार्मिक एवं सनातनी संस्कारों को बढ़ाना चाहिए जिससे हमारी युवा पीढ़ी इन संस्कारों को अपने जीवन में अपना सके। सुरजभान कटारिया आज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अंसल सिटी मे जगमंदिर बैरागी के निवास पर आयोजित पाठ भंडारे के उपरांत बातचीत में कहा पूर्णिमा के पूर्व दिवस पर इस प्रकार का आयोजन हमारी भारतीय संस्कृति को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में हमें अपनी संस्कृति को बचाकर धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच प्रेम सिंह, रोशन सिंह, गुलाब सिंह तीतरम, समाजसेवी सुशील चित्रा, रामकुमार राहुल, यशपाल, बलवान सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311